Toppersnotes
Unleash the topper in you

बिहार (STET)

हिन्दी

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB)

भाग – 2

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
1.	**हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना**	
	➢ कहानी	1
	➢ हिन्दी नाटक	17
	➢ निबंध	28
	➢ हिन्दी गद्य साहित्य	39
	➢ हिंदी आलोचना का इतिहास	59
2.	**हिन्दी गद्य का नवीन स्वरूप**	
	➢ संस्मरण एवं रेखाचित्र	69
	➢ जीवनी	72
3.	**चयनित कहानियाँ**	
	➢ कानों में कंगना (राधिका रमण प्रसाद सिंह)	76
	➢ उसने कहा था चंद्रधर शर्मा गुलेरी	80
	➢ कहानी का प्लॉट (शिवपूजन सहाय)	87
	➢ कहानी : पूस की रात (प्रेमचंद)	90
	➢ पंचलाइट	94
	➢ चीफ की दावत - भीष्म साहनी	97
4.	**चयनित उपन्यास**	
	➢ गोदान	104
	➢ जैनेन्द्र का उपन्यास त्यागपत्र	112
	➢ मैला आंचल - फणीश्वरनाथ रेणु	115
5.	**चयनित नाटक**	
	➢ चन्द्रगुप्त	118
	➢ आषाढ़ का एक दिन	121
6.	**चयनित निबंध**	
	➢ गेहूँ और गुलाब रामवृक्ष बेनीपुरी	124
	➢ आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्ण सिंह	127
	➢ नाखून क्यों बढ़ते हैं?	131
	➢ श्रद्धा और भक्ति निबंध (रामचन्द्र शुक्ल)	134

	चयनित कवि और कतिताएँ	
	➢ देख-देख राधा-रूप अपार।	141
	➢ जय जय भैरवि असुर भयाउनि	142
	➢ कुंज भवन सएँ निकसलि – विद्यापति	144
	➢ तातल सैकत वारि विन्दु सम सुत मित – विद्यापति	145
	➢ दुलहनी गावहु मंगलाचार	146
	➢ जायसी ग्रंथावली (संपादक-रामचंद्र शुक्ल)	149
7.	➢ दोनों ओर प्रेम पलता है। (मैथिली शरण गुप्त)	154
	➢ हिमालय (रामधारी सिंह दिनकर)	156
	➢ वह तोड़ती पत्थर	158
	➢ तुमुल कोलाहल कलह में, मैं हृदय की बात रे मन	160
	➢ मैंने उसको	161
	➢ शासन की बंदूक	162
	➢ जीवन का झरना	163
	➢ मेघ-गीत (आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री)	166

1 CHAPTER हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ- कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना

कहानी

- कहानी के अन्त में चरम उत्कर्ष भी होता है।
- कहानी उपन्यास का ही लघुरूप है।
- कहानी में द्वंद्वात्मक भाव भी होते हैं।
- उपन्यास में तो मानव के सम्पूर्ण जीवन का विस्तार से वर्णन किया जाता है, जबकि कहानी में मानव जीवन के किसी एक भाग या अंग का ही वर्णन किया जाता है।
- कहानी को *गल्प* या *कथा* के नाम से भी पुकारा जाता है।

कहानी की परिभाषाएँ :-

1. **मुंशी प्रेमचन्द** के अनुसार – "गल्प एक ऐसी रचना है जिसमें जीवन के किसी एक अंग या मनोभाव को प्रदर्शित करना ही लेखक का प्रमुख उद्देश्य होता है।"
2. **जयशंकर प्रसाद** के अनुसार – "सौन्दर्य की एक झलक का चित्रण करना एवं उसके द्वारा इसकी (सौन्दर्य) की सृष्टि करना ही कहानी कहलाती है।"
3. **जैनेन्द्र** के अनुसार – "कहानी मानव मन की भूख है जो निरन्तर समाधान पाने की कोशिश करती रहती है।"
4. **एच. जी. वेल्स** के अनुसार – "कहानी तो बस वही है जो लगभग 20 मिनट में साहस एवं कल्पना के साथ पढ़ी जाती है।"
5. **सारांश** – उपर्युक्त सभी परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि कहानी एक ऐसी गद्य रचना है जो जीवन के किसी एक अंग का सौन्दर्यात्मक वर्णन प्रस्तुत करती है।

Toppersnotes Unleash the topper in you

कहानी के तत्त्व :-

- उपन्यास की तरह कहानी के भी 6 तत्त्व माने जाते हैं –
  1. कथावस्तु / विषयवस्तु / कथानक
  2. पात्र एवं चरित्र-चित्रण
  3. क्रियापथकथन या संवाद
  4. भाषा-शैली
  5. देशकाल व वातावरण
  6. उद्देश्य

हिन्दी विकास के प्रमुख चरण / हिन्दी कहानी का काल विभाजन

- हिन्दी साहित्य में अब तक लिखी गई समस्त कहानियों को निम्नानुसार 6 काल खण्डों में विभाजित किया गया है।
  1. आरंभिक काल की कहानी → 1900 ई. से पूर्व रचित कहानी
  2. द्विवेदी युग की कहानी → 1900 ई. से 1916 ई. तक
  3. प्रेमचन्द युग की कहानी → 1916 ई. से 1936 ई. तक
  4. प्रेमचन्दोत्तर युग की कहानी → 1936 ई. से 1950 ई. तक
  5. नयी कहानी → 1950 ई. से 1960 ई. तक
  6. कहानी आन्दोलन → 1960 ई. से अब तक

I. आरंभिक काल की कहानी [1900 ई. से पूर्व रचित]

- इस युग की कहानियों में प्रमुखतः निम्नलिखित तीन कहानियों को शामिल किया जाता है:
  1. **रानी केतकी की कहानी** / **उदयभान चरित** – *1803 ई.*
     लेखक: सैयद इंशा अल्ला खां
  2. **राजा भोज का सपना** – *1853 ई.*
     लेखक: राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'
  3. **देवरानी जेठानी की कहानी** – *1870 ई.*
     लेखक: पं. गौरी दत्त
- इन रचनाओं में कहानी के सभी तत्त्व नहीं प्राप्त होते हैं, जिसके कारण इन तीनों रचनाओं को हिन्दी की सर्वप्रथम मौलिक कहानी के रूप में **स्वीकार नहीं किया गया है।**

II. द्विवेदी युग की कहानी [1900 ई. से 1916 ई. तक]

क्र.सं	कहानी का नाम	लेखक का नाम	प्रकाशन वर्ष	संबंधित पत्रिका
1	इंदुमती	किशोरीलाल गोस्वामी	1900 ई.	सरस्वती
	नोट: आचार्य शुक्ल, डॉ. नगेंद्र एवं अन्य प्रसिद्ध इतिहासकारों के अनुसार यही हिन्दी साहित्य की **सर्वप्रथम मौलिक कहानी** मानी जाती है।			
2	एक टोकरी भर मिट्टी	माधवराव स्प्रे	1901 ई.	छत्तीसगढ़ पत्रिका
	नोट: कुछ आधुनिक शोधकर्ताओं के अनुसार इसे ही हिन्दी की **सर्वप्रथम मौलिक कहानी** माना गया है।			
3	गुलबहार	किशोरीलाल गोस्वामी	1902 ई.	सरस्वती
4	प्लेग की चुड़ैल	लाला भगवानदीन *(या मास्टर भगवानदीन)*	1902 ई.	सरस्वती
5	ग्यारह वर्ष का समय	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	1903 ई.	सरस्वती
6	पंडित और पंडितानी	गिरिजादत्त वाजपेयी	1903 ई.	सरस्वती
7	दुलाईवाली	बंग महिला *(राजेंद्र बाला घोष)*	1907 ई.	सरस्वती
	नोट: बंग महिला द्वारा रचित समस्त कहानियाँ **"कुसुम संग्रह"** के नाम से प्रकाशित हुई हैं।			

द्विवेदी युग के अन्य प्रमुख कहानीकार

1. विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'

- **प्रमुख कहानी संग्रह:**
  - ✓ **गल्प मंदिर**
  - ✓ **चित्रशाला** *(दो भाग)*
  - ✓ **प्रेम प्रतिमा**
  - ✓ **मणिमाला**
  - ✓ **कल्लोल**

- **प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ **रक्षाबंधन** *(राखी बंद भाई) — वृंदावनलाल वर्मा*
  - ✓ **ताई**
  - ✓ **विद्यवा** *(संभवत: "विधवा" होगा, कृपया पुष्टि करें)*
  - ✓ **कर्तव्य बल**
  - ✓ **विद्रोही**
  - ✓ **पतित पावन**
  - ✓ **पगली**
- **विशेष तथ्य:**
  - ✓ हिन्दी साहित्य में इन्होंने **लगभग 300 कहानियाँ** लिखी हैं।
  - ✓ इनकी कहानियों में **पारिवारिक जीवन की समस्याओं** का विशेष वर्णन किया गया है।
  - ✓ **'रक्षाबंधन' इनकी सर्वाधिक प्रसिद्ध कहानी** मानी जाती है।
  - ✓ यह **कहानी 1913 ई.** में **सरस्वती पत्रिका** में प्रकाशित हुई थी।
  - ✓ इनकी **हास्य-व्यंग्य एवं विनोदपूर्ण कहानियाँ** *चाँद* नामक पत्रिका में **'दुबेजी की चिट्ठियाँ'** शीर्षक से प्रकाशित होती थीं।

2. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' (1883–1922)

- **प्रमुख कहानियाँ:**
  - ✓ उसने कहा था – 1915 ई.
  - ✓ घटाघर
  - ✓ धर्मपरायण रीछ
  - ✓ पाठशाला
  - ✓ बुद्धू का काँटा
  - ✓ सुखमय जीवन
  - ✓ हीरे का हीरा
- **विशेष तथ्य:**
  - ✓ **'उसने कहा था'** कहानी **हिन्दी साहित्य की अब तक की सर्वश्रेष्ठ कहानी** मानी जाती है।
  - ✓ यह कहानी **1915 ई.** में **सरस्वती पत्रिका** में प्रकाशित हुई थी।
  - ✓ इसमें **प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि** का चित्रण करते हुए **त्यागमय प्रेम का आदर्श** प्रस्तुत किया गया है।
  - ✓ **राजेन्द्र यादव** ने **किशोरीलाल गोस्वामी** की *इंदुमती* पर **शेक्सपियर की 'टेम्पेस्ट'** का प्रभाव मानते हुए, *'उसने कहा था'* को ही **हिन्दी की सर्वप्रथम मौलिक कहानी** स्वीकार किया है।
  - ✓ इन्होंने **'समालोचक'** नामक एक पत्र का **सम्पादन** भी किया था।
  - ✓ इनका **जन्मस्थान: जयपुर** था।

3. राधिका रमण प्रसाद सिंह

- **प्रमुख कहानी संग्रह:**
  - ✓ गाँधी टापी
  - ✓ सावनी सभा
  - ✓ गल्प कुसुमाजनी
- **प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ कानों में कंगना
  - ✓ बिजली
  - ✓ दरिद्र नारायण
  - ✓ पैसे की घुघनी
  - ✓ इनकी **कहानियों** में **पारिवारिक जीवन की समस्याओं** का प्रमुखता से चित्रण किया गया है।

4. गोपालराम गहमरी

- **प्रसिद्ध कहानी:** *जमना का खून*

5. वृंदावनलाल वर्मा

- **प्रमुख कहानियाँ:**
  - ✓ राखी बंद भाई
  - ✓ नकली किला

- **अतिरिक्त टिप्पणी:**
  - ✓ **रक्षाबंधन** कहानी वास्तव में **विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'** द्वारा लिखी गई है, जबकि **"राखी बंद भाई"** कहानी **वृंदावनलाल वर्मा** की है।
  - ✓ कुछ समीक्षकों के अनुसार, वृंदावनलाल वर्मा की **'राखी बंद भाई'** को **हिन्दी की सर्वप्रथम ऐतिहासिक कहानी** के रूप में स्वीकार किया गया है।

III. प्रेमचन्द युग की कहानी [1916 ई. से 1936 ई. तक]

1. मुंशी प्रेमचन्द

- प्रेमचन्द द्वारा रचित सर्वप्रथम कहानी - *संसार का अनमोल रत्न*

  नोट: यह कहानी *उर्दू भाषा* में *नवाब राय* के नाम से लिखी गई थी एवं यह कहानी **1907 ई.** में *जमाना पत्र* में प्रकाशित हुई थी।
- प्रेमचन्द द्वारा रचित / प्रकाशित सर्वप्रथम कहानी संग्रह *"सोजे-वतन"*

  नोट: यह संग्रह **1907 ई.** में प्रकाशित हुआ था। इसमें इनकी *उर्दू भाषा* में रचित कहानियों का संग्रह किया गया था। इस संग्रह की कहानियों में *अंग्रेजों के विरुद्ध* लिखे जाने के कारण *अंग्रेज सरकार* द्वारा इसे *जब्त* भी कर लिया गया था एवं इनके लेखन पर भी *प्रतिबंध* लगा दिया गया था।
- इस प्रतिबंध के बाद इन्होंने *मुंशी दयानारायण निगम* के सुझाव पर अपना नाम बदलकर **प्रेमचन्द** रख लिया था।
- *प्रेमचन्द* नाम से रचित सर्वप्रथम कहानी *ममता* **1908 ई.** (*उर्दू भाषा* में)
- *प्रेमचन्द* की *हिन्दी भाषा* में सर्वप्रथम कहानी:

  (i) डॉ. नगेन्द्र के अनुसार - **सौत (1915 ई.)**

  (ii) डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त के अनुसार - **पंच परमेश्वर (1916 ई.)**

  नोट: सर्वमान्य रूप में *पंच परमेश्वर कहानी (1916 ई.)* को ही *हिन्दी भाषा* की सर्वप्रथम कहानी के रूप में स्वीकार किया जाता है। इस कहानी में इन्होंने *ग्राम पंचायतों के आदर्शों* का चित्रण किया है।
- *प्रेमचन्द* की कहानी के विकास क्रम के चरण
- *प्रेमचन्द* द्वारा रचित समस्त कहानियों को प्रमुखतः **चरणों** (या सोपानों) में विभाजित किया गया है।

प्रेमचन्द की कहानी विकास के सोपान:

प्रथम सोपान – (1916 से 1920 ई. तक)

- इस चरण की कहानियों में *बड़े*-बड़े कथानक लिखे गए हैं एवं
- इन कहानियों में आदर्शवाद की भावना का अधिक प्रयोग किया गया है।
- इस चरण में इनकी निम्नलिखित कहानियाँ प्रसिद्ध हुई हैं:
  - ✓ पंच परमेश्वर – 1916 ई.
  - ✓ बड़े घर की बेटी – 1916 ई.
  - ✓ सज्जनता का दंड – 1916 ई.
  - ✓ इश्वरीय न्याय – 1917 ई.
  - ✓ दुर्गा का मंदिर – 1917 ई.
  - ✓ बलिदान – 1918 ई.
  - ✓ आत्माराम – 1920 ई.

द्वितीय सोपान (1921 ई. से 1930 ई. तक)

- इस चरण की कहानियों में इन्होंने *आदर्शवाद की भावना* को छोड़कर *यथार्थवाद की भावना* का अधिक चित्रण किया है। इस चरण में इनकी निम्नलिखित कहानियाँ अत्यधिक प्रसिद्ध हुई हैं:

1. बूढ़ी काकी – 1921
2. विचित्र होली – 1921
3. गृहदाह
4. परीक्षा – 1923
5. आप-बीती
6. उद्धार
7. सवा सेर गेहूँ – 1924
8. शतरंज के खिलाड़ी – 1925 ई.
9. माता का हृदय – 1925 ई.
10. कजाकी – 1926
11. सुजान भगत – 1927 ई.
12. अलगोझा – 1929 ई.

<u>जयशंकर प्रसाद</u>

- **प्रथम कहानी** – ग्राम
- **अंतिम कहानी** – सालवती
- **कहानी संग्रह:**
  - ✓ छाया – 1912 ई.
  - ✓ प्रतिध्वनि – 1926 ई.
  - ✓ आकाशदीप – 1929 ई.
  - ✓ आँधी – 1931 ई.
  - ✓ इन्द्रजाल – 1936 ई.
- **प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ सुनहरा साँप
  - ✓ छोटा जादूगर
  - ✓ चूड़ी वाली नीरा
  - ✓ चक्रवर्ती का स्तंभ
  - ✓ पत्थर की पुकार
  - ✓ खण्डहर की लिपि
  - ✓ उस पार का योगी
  - ✓ मधुवा
  - ✓ प्रतिभा
  - ✓ देवदासी
  - ✓ पुरस्कार
- इनकी सर्वप्रथम कहानी **1911 ई.** में 'ग्राम' नाम से इन्दु पत्रिका में प्रकाशित हुई थी।
- इनकी सबसे अंतिम कहानी सालवती के नाम से प्रकाशित हुई थी।
- ये मूलतः व्यक्ति-केन्द्रित कहानीकार माने जाते हैं।
  1. *पूस की रात* – 1930 ई.
  2. *इस्तीफा*

तृतीय सोपान – (1931 ई. से 1936 ई. तक)

- इसमें *बड़े-बड़े कथानकों* को छोड़कर छोटे-छोटे कथानक लिखे गए हैं।
- इस चरण की कहानियों में इन्होंने मानवीय अंतर्द्वंद्वों एवं मानवीय मनोवेगों (मनोविज्ञान) का सूक्ष्म चित्रण किया है।
- इस युग में इनकी निम्नलिखित कहानियाँ अत्यधिक प्रसिद्ध हुई हैं:
  - ✓ होली का उपहार – 1931 ई.
  - ✓ तावान – 1931 ई.
  - ✓ कुर का कुआँ – 1932 ई.
  - ✓ टों वाली विधवा – 1932 ई.
  - ✓ ईदगाह – 1933 ई.
  - ✓ नशा – 1934 ई.
  - ✓ बड़े भाई साहब – 1934 ई.
- कफन – 1936 ई. (यह प्रेमचन्द जी द्वारा रचित सबसे अंतिम कहानी भी मानी जाती है।)
- न्दी साहित्य में प्रेमचन्द ने लगभग **300 कहानियाँ** लिखी हैं।
- इनके द्वारा रचित सभी कहानियों को एक जगह संकलित करके सरस्वती प्रेस, बनारस द्वारा मानसरोवर के नाम से **8 भागों** में प्रकाशित करवाया गया है।
- मुंशी प्रेमचन्द ने कहानियों को गमले में लगा फूल का पौधा कहकर भी पुकारा है।
- प्रसाद की आरंभिक कहानियों पर बंगला भाषा का प्रभाव दिखलाई पड़ता है।

3. पं. बद्रीनाथ 'मट्ट' सुदर्शन

- **कहानी संग्रह:**
  - ✓ सुदर्शन
  - ✓ सुदर्शन सुमन
  - ✓ तीर्थयात्रा
  - ✓ पुष्पलता
  - ✓ गल्प-मंजरी
  - ✓ सुप्रभात
  - ✓ चार कहानियाँ
  - ✓ नगीना
  - ✓ पनघट
  - ✓ परिवर्तन
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ हार की जीत (नोट: 'हार की जीत' – प्रेमचन्द की भी एक कहानी है।)
  - ✓ एथेंस का सत्यार्थी
  - ✓ दो मित्र
  - ✓ कवि की स्त्री
  - ✓ कमल की बेटी
  - ✓ पत्थरों का सौदागर
  - ✓ प्रेमतक
- *'हार की जीत'* इनकी *सर्वाधिक प्रसिद्ध कहानी* मानी जाती है।
- *'हार की जीत'* कहानी **1920 ई.** में *सरस्वती पत्रिका* में प्रकाशित हुई थी।

4. पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

- **कहानी संग्रह** (अंग्रेजों ने जब्त कर लिया था):
  - ✓ चिनगारियाँ
  - ✓ शैतान मंडली
  - ✓ इन्द्रधनुष
  - ✓ बलात्कार
  - ✓ चॉकलेट
  - ✓ दो जख की आग
  - ✓ निर्लज्जा
  - ✓ सनकी अमीर
- ये हिन्दी साहित्य में प्रकृतिवादी कहानीकार माने जाते हैं।
- इनकी आरंभिक कहानियाँ 'अष्टावक्र' उपनाम से प्रकाशित हुई हैं।
- चिनगारियाँ इनका सर्वप्रथम प्रकाशित कहानी संग्रह है।
- चिनगारियाँ को इनकी सर्वश्रेष्ठ कहानी भी माना जाता है।
- प्रेमचन्द की तरह इस संग्रह की कहानियों में अंग्रेजों का विरोध किया गया था, जिसके कारण अंग्रेज सरकार द्वारा इस संग्रह को भी जब्त कर लिया गया था।

5. आचार्य चतुरसेन शास्त्री

- **प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ दुखवा मैं कासों कहूँ मोरी सजनी — (नोट: बंगला भाषा में हरिसाधन मुखोपाध्याय की 'सेलिना बेगम' का अनुवाद)
  - ✓ गृहलक्ष्मी — (सर्वप्रथम मौलिक कहानी)
  - ✓ अब पालिका
  - ✓ प्रबुद्ध
  - ✓ निक्षुराज
  - ✓ बावर्चिन
  - ✓ हांड़ी घाटी में
  - ✓ बाणवधू
  - ✓ दे खुदा की राह पर
  - ✓ ककड़ी की कीमत
  - ✓ सिंहगढ़ विजय
  - ✓ पन्नाधाय
  - ✓ रूठी रानी

Toppersnotes Unleash the topper in you

- प्राचीन इतिहासकार **'दुखवा मैं कासों कहूँ मोरी सजनी'** कहानी को इनकी सर्वप्रथम कहानी मानते थे।
- वर्तमान शोधों के अनुसार यह कहानी बंगला भाषा में हरिसाधन मुखोपाध्याय द्वारा रचित 'सेलिना बेगम' कहानी का अनुवाद मानी गई है।
- वर्तमान शोधों के अनुसार **'गृहलक्ष्मी'** ही इनकी सर्वप्रथम मौलिक कहानी मानी जाती है।

6. भूपेन्द्र नाथ अश्क

- **प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ निशानियाँ
  - ✓ दोधारा
  - ✓ मुक्त
  - ✓ देशभक्त
  - ✓ कागड़ा का तेली
  - ✓ डाची
  - ✓ आकाशचारी
  - ✓ बुल लैंड
- इनकी लगभग सभी कहानियों में मध्यम वर्गीय परिवारों की जीवन समस्याओं का यथार्थपरक चित्रण किया गया है।

Ⅳ. प्रेमचन्दोत्तर युग की कहानी (1936 ई. से 1950 ई. तक)

- हिन्दी साहित्य की जिन कहानियों में साम्यवादी (प्रगतिवादी) एवं प्रयोगवादी विचारधाराओं का प्रयोग देखने को मिलता है, वे इस युग की कहानियों में शामिल की जाती हैं।
- इस युग में प्रमुखतः निम्नलिखित कहानीकार प्रसिद्ध हुए हैं:

1. यशपाल

- **कहानी संग्रह:**
  - ✓ पिंजरे की उड़ान
  - ✓ ज्ञानदान
  - ✓ अभिशप्त
  - ✓ तर्क का तूफान
  - ✓ वा दुनिया
  - ✓ तुमने क्यों कहा कि मैं सुंदर हूँ
  - ✓ उत्तमी की माँ
  - ✓ सच बोलने की भूल
  - ✓ भूख के तीन दिन
  - ✓ भस्मावृत्त
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ फूलों का पौधा
  - ✓ चिनगारी
  - ✓ धर्मयुद्ध
  - ✓ उत्तराधिकारी
  - ✓ चक्कर क्लब
  - ✓ आदमी और खच्चर
- इनकी *सर्वप्रथम कहानी* **1924 ई.** में *'मक्रील'* नाम से प्रकाशित हुई थी।
- हिन्दी में इन्होंने लगभग **80 कहानियाँ** लिखी हैं।
- इनकी सभी कहानियों में *दलित, मज़दूर* एवं *किसानों* की *जीवन समस्याओं* का चित्रण किया गया है।

2. जैनेन्द्र

- **कहानी संग्रह:**
  - ✓ खेल
  - ✓ फाँसी
  - ✓ वातायन
  - ✓ नीलम देश की राजकन्या
  - ✓ दो चिड़ियाँ
  - ✓ पाजेब
  - ✓ ध्रुवयात्रा
  - ✓ जय संधि
  - ✓ एक रात

Toppersnotes Unleash the topper in you

- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ जाह्नवी
  - ✓ हत्या
  - ✓ ग्रामोफोन का रिकॉर्ड
  - ✓ अपना अपना भाग्य
  - ✓ पानवाला
  - ✓ एक दिन
  - ✓ एक कैदी
  - ✓ एक गौ
  - ✓ मास्टर साहब
  - ✓ बाहुबली
- जैनेन्द्र की कहानियों में व्यक्तिवादी एवं अध्यात्मवादी दृष्टिकोण अधिक देखने को मिलता है।

3. अज्ञेय

- **कहानी संग्रह:**
  - ✓ विपथगा – 1931
  - ✓ परम्परा – 1940
  - ✓ कोठरी की बात – 1945
  - ✓ शरणार्थी – 1948
  - ✓ जयदोल – 1951
  - ✓ अम्मर वल्लरी – 1954
  - ✓ ये तेरे प्रतिरूप – 1961
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ कड़ियाँ
  - ✓ सिगनेलर
  - ✓ रेल की सीटी
  - ✓ हरसिंगार
  - ✓ खितीन बाबू
  - ✓ ग्रैग्रीन
  - ✓ शरणार्थी
  - ✓ पठार का धीरज
- अज्ञेय द्वारा रचित सभी कहानियों में व्यक्ति के आत्मसंघर्ष का अधिक चित्रण किया गया है।
- विपथगा इनका सर्वप्रथम प्रकाशित कहानी संग्रह माना जाता है।
- इस संग्रह की कहानियों में (आधुनिक विश्व में होने वाले) युद्ध के कारणों की खोज करते हुए नारी के आदर्शों का चित्रण किया गया है।

4. भगवतीचरण वर्मा

- इनकी कहानियों में मध्यम वर्गीय समाज की जीवन समस्याओं का यथार्थ चित्रण मिलता है।
- **प्रसिद्ध कहानियाँ:**
  - ✓ इन्स्टालमेंट
  - ✓ खिलते फूल
  - ✓ दो बांके

V. नयी कहानी (1950 ई. से 1960 ई. तक)

- भारत की आज़ादी के बाद नए विषयों एवं नए विचारों को लेकर जो कहानियाँ हिन्दी साहित्य में लिखी गई, उनको ही नयी कहानी के नाम से पुकारा जाता है।
- भैरव प्रसाद गुप्त द्वारा सम्पादित *नयी कहानी* नामक पत्रिका के माध्यम से इस युग की कहानियों का अत्यधिक विकास हुआ है।
- कमलेश्वर ने 'नयी कहानी' को *अँधेरे की खोज* कहकर पुकारा है। इस संबंध में इन्होंने लिखा है –

"नयी कहानी अँधेरे की चीख नहीं, अपितु अँधेरे की खोज है।"

- नयी कहानी युग की सर्वप्रथम कहानी –
  - (i) डॉ. नामवर सिंह के अनुसार – परिन्दे लेखक – निर्मल वर्मा
  - (ii) डॉ. बच्चन सिंह के अनुसार – दादी माँ लेखक – शिव प्रसाद सिंह

- नयी कहानी युग की कहानियों का विभाजन
- नयी कहानी युग की कहानियों को विषय-वस्तु के आधार पर दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है –
  (i) ग्रामीण अंचल की कहानियाँ
  (ii) नगरबोध अंचल की कहानियाँ

I. ग्रामीण अंचल की कहानियाँ

- नयी कहानी युग की जिन कहानियों में ग्रामीण जीवन, ग्रामीण संस्कृति एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि का चित्रण किया गया है।
- वे ग्रामीण अंचल की कहानियाँ कहलाती हैं। इस श्रेणी में प्रमुखतः निम्नलिखित कहानीकार शामिल किए गए हैं –

1. शिव प्रसाद सिंह :-

- आरपार की माला
- कर्मनाशा की हार
- मुर्दा सराय
- इन्हें भी इंतज़ार है
- दादी माँ
- शाखामृग
- बिंदा महाराज
- भेदिए
- हत्या और आत्महत्या के बीच
- डॉ. बच्चन सिंह के अनुसार इनकी दादी माँ कहानी नयी कहानी युग की सर्वप्रथम कहानी मानी गई है।
- इनकी कहानियों में ग्रामीण जीवन की समस्याओं का वास्तविक वर्णन किया गया है।

2. फणीश्वर नाथ रेणु :-

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ लाल पान की बेगम
  - ✓ तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम
  - ✓ रसप्रिया
  - ✓ ठुमरी
  - ✓ आदिम रात्रि की महक
  - ✓ विघटन के क्षण
  - ✓ तीन बिंदिया
  - ✓ अच्छे आदमी
  - ✓ एक श्रावणी दोपहर की धूप
  - ✓ अग्निखोर
- डॉ. नगेन्द्र के अनुसार फणीश्वर नाथ रेणु नयी कहानी युग के सर्वश्रेष्ठ कहानीकार एवं उपन्यासकार माने गए हैं।

3. मार्कण्डेय :-

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ महुए का पेड़
  - ✓ हंसा जाई अकेला
  - ✓ माही
  - ✓ पानफूल
  - ✓ सेमल का फूल
  - ✓ भूदान
  - ✓ साबुन
  - ✓ बीच के लोग

II. नगरबोध की कहानियाँ

- नयी कहानी युग की जिन कहानियों में शहरी जीवन एवं शहरी संस्कृति का चित्रण किया गया है। वे इस श्रेणी की कहानियों में शामिल की जाती हैं।
- इस श्रेणी में प्रमुखतः निम्नलिखित कहानीकार शामिल किए गए हैं –

1. मोहन राकेश :-

- **कहानी संग्रह:**
  - ✓ इंसान के खण्डहर
  - ✓ नये बादल
  - ✓ जानवर और जानवर
  - ✓ एक और जिन्दगी
  - ✓ आज के साये
  - ✓ फौलाद का आकाश
  - ✓ डॉक्टर
  - ✓ पाँच लम्बी कहानियाँ
  - ✓ एक दुनिया
  - ✓ मिले-जुले चेहरे
  - ✓ क्वार्टर एवं अन्य कहानियाँ
  - ✓ पहचान एवं अन्य कहानियाँ
  - ✓ वाशिश एवं अन्य कहानियाँ
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ मलबे का मालिक
  - ✓ ठहरा हुआ चाकू
  - ✓ जख्म
  - ✓ आर्द्रा
  - ✓ अपरिचित
  - ✓ मिसपाल
  - ✓ परयात्मा का कुत्ता
  - ✓ वासना की छाया में
  - ✓ सुहागिनें
  - ✓ सीमाएँ
  - ✓ मवाली
- *एक* और *जिन्दगी* इनकी सर्वाधिक प्रसिद्ध कहानी मानी जाती है।
- इस कहानी में वर्तमान जीवन की तनावपूर्ण स्थितियों का सुंदर चित्रण किया गया है।
- इस कहानी में एक ऐसे व्यक्ति के जीवन का वर्णन किया गया है जो न तो पीछे छूटी हुई जिन्दगी को छोड़ पाता है, एवं न ही आने वाली जिन्दगी को अपना पाता है — अपितु दोनों के बीच में क्षत-विक्षत होता चला जाता है।
- *मलबे का मालिक* इनकी दूसरी प्रसिद्ध कहानी है।
- इस कहानी में 1947 ई. में देश विभाजन के समय उत्पन्न हुई परिस्थितियों का चित्रण किया गया है।
- इस कहानी में प्रयुक्त *मलबा* शब्द उन्माद एवं वहशीपन का प्रतीक माना जाता है।

2. राजेन्द्र यादव :-

- **कहानी संग्रह** –
  - ✓ देवताओं की मूर्तियाँ
  - ✓ खेल खिलौने
  - ✓ जहाँ लक्ष्मी कैद है
  - ✓ अभिमन्यु की आत्महत्या
  - ✓ छोटे-छोटे ताजमहल
  - ✓ किनारे से किनारे तक
  - ✓ टूटना तथा अन्य कहानियाँ
  - ✓ चौखटे तोड़ते त्रिकोण
  - ✓ ये जो आतिश ग़ालिब
  - ✓ यहाँ तकः पड़ाव - 01, पड़ाव – 02
  - ✓ वहाँ तक पहुँचने की दौड़ हासिल
- इनकी कहानियों में शहरी जीवन की असंगतियों एवं आर्थिक विषमताओं का वास्तविक चित्रण किया गया है।
- प्रेमचन्द द्वारा सम्पादित *हंस* पत्रिका जो 1953 ई. में बंद हो गई थी, उसे इन्होंने 1986 ई. में पुनः शुरू किया तथा अपनी मृत्यु पर्यन्त (1929–2013) तक इस पत्रिका का सम्पादन किया।

Toppersnotes Unleash the topper in you

3. मन्नू भंडारी :-

- **कहानी संग्रह** –
  - ✓ एक प्लेट सैलाब
  - ✓ मैं हार गई
  - ✓ तीन निगाहों की एक तस्वीर
  - ✓ यही सच है
  - ✓ त्रिशंकु
  - ✓ आँखों देखा झूठ
  - ✓ श्रेष्ठ कहानियाँ
  - ✓ नायक – खलनायक – विदूषक
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ रेत की दीवार
  - ✓ बंद दराज़ों का साथ
  - ✓ रानी माँ का चबूतरा
  - ✓ अलगाव
  - ✓ अकेली
  - ✓ कृषक
- इनकी लगभग सभी कहानियाँ त्रिकोणीय प्रेम-संघर्ष पर आधारित मानी जाती हैं।

4. धर्मवीर भारती

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ गुलकी बन्नों
  - ✓ सावित्री न. 2
  - ✓ बंद गली का आखिरी मकान
  - ✓ मर्दों का गाँव
  - ✓ चाँद और टूटे हुए लोग
  - ✓ स्वर्ग और पृथ्वी
  - ✓ पुल टूटने से पहले
  - ✓ साँस की कमल से
  - ✓ समस्त कहानियाँ (कहानी संग्रह)
- इनकी कहानियों में शहरी संस्कृति के एकांकी जीवन का प्रमुखता से चित्रण किया गया है।

5. उषा प्रियंवदा :-

- **कहानी संग्रह** –
  - ✓ वनवास
  - ✓ कितना बड़ा झूठ
  - ✓ शून्य जिन्दगी और गुलाब के फूल
  - ✓ एक कोई दूसरा
  - ✓ मेरी प्रिय कहानियाँ
  - ✓ सम्पूर्ण कहानियाँ
  - ✓ अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ –
  - ✓ छुट्टी का एक दिन
  - ✓ चाँदनी में बर्फ पर
  - ✓ मछलियाँ
- इनकी कहानियों में भी शहरी जीवन और टूटते परिवारों की कथा का वर्णन किया गया है।

6. रागेय राघव

- ✓ गदल

इस कहानी में राजस्थानी परिवेश को आधार बनाकर प्रेमकथा का सुंदर चित्रण किया गया है।

7. अमरकान्त

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ जिन्दगी और जोंक
  - ✓ बहादूर
  - ✓ एक धनी व्यक्ति का बयान
  - ✓ सुख और दुःख का साथ

Toppersnotes Unleash the topper in you

8. भीष्म साहनी :-

- **प्रसिद्ध कहानियाँ –**
  - ✓ भटकती राख
  - ✓ पहला पाठ
  - ✓ बाड़, चू
  - ✓ शोभायात्रा
  - ✓ निशाचर
  - ✓ चीफ की दावत
  - ✓ पाली
  - ✓ डायन

III. कहानी आन्दोलन (1960 ई. से अब तक)

- 1960 ई. के आस-पास के विद्वानों ने अपना-अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने के लिए कुछ कहानी आन्दोलन चलाए थे।
- इनमें से कुछ प्रसिद्ध कहानी आन्दोलन निम्नानुसार माने जाते हैं:

क्र.सं.	कहानी आन्दोलन का नाम	प्रवर्तक
1.	सचेतन कहानी आन्दोलन	महीप सिंह
2.	समानान्तर कहानी आन्दोलन	कमलेश्वर
3.	अकहानी आन्दोलन	निर्मल वर्मा
4.	समकालीन कहानी आन्दोलन / समकालीन कविता आन्दोलन	गंगा प्रसाद विमल, विश्वमय नाथ
5.	सक्रिय कविता आन्दोलन	राकेश वल्स
6.	सहज कहानी आन्दोलन सहज कविता आन्दोलन	अमृत राय, रविन्द्र भ्रमर

I. सचेतन कहानी आन्दोलन

- इस कहानी आन्दोलन का प्रतिपादन 1964 ई. के आस-पास महीप सिंह द्वारा किया गया था।
- इस कहानी आन्दोलन के विकास में निम्नलिखित विद्वानों का मुख्य योगदान माना जाता है:

1. महीप सिंह (1930–2015) :-

- **कहानी संग्रह –**
  - ✓ सुबह के फूल (1959)
  - ✓ उजाले के उल्लू (1964)
  - ✓ धिराव (1968)
  - ✓ कुछ और कितना (1973)
  - ✓ इक्यावन कहानियाँ (1976)
  - ✓ कितने संबंध (1979)
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ –**
  - ✓ धूप की उँगलियों के निशान
  - ✓ एक मरता हुआ दिन
  - ✓ दिल्ली कहाँ है?
  - ✓ सहये हुए
  - ✓ काला बापः गौरा बाप
  - ✓ पहले जैसे दिन
- इनकी लगभग सभी कहानियाँ **अमेरिका के प्रसिद्ध कहानीकार जेन्स वालविन** द्वारा प्रतिपादित *एक्टिविज़्म आन्दोलन* से प्रभावित मानी जाती हैं।
- अपनी कहानियों के प्रकाशन के लिए इन्होंने **सचेतना** नामक एक पत्रिका का सम्पादन भी किया था।
- अपने कहानी **आन्दोलन** को विकसित करने के लिए इन्होंने **1978 ई.** में **भारतीय लेखक संघ** नामक एक संगठन भी बनाया था।
- **2009 ई.** में इन्हें **भारत भारती सम्मान** से सम्मानित किया गया था।

2. कृष्णा अग्निहोत्री :-

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ एक और अश्वत्थामा
  - ✓ विरासत
  - ✓ याही बनारस रंग बा
  - ✓ जिंदा आदमी
  - ✓ टीन के घेरे
  - ✓ गलियारे

3. हिमांशु जोशी :-

- **कहानी संग्रह** –
  - ✓ मेरी तेरह कहानियाँ
  - ✓ हिमांशु जोशी *की विशिष्ट कहानियाँ* (*रत्नचक्र*)

II. समानान्तर कहानी आन्दोलन

- इस कहानी आन्दोलन का प्रतिपादन **1972 ई.** के आस-पास **कमलेश्वर** ने अकेले अपने दम पर किया था।
- इस कहानी आन्दोलन के विकास में निम्नलिखित कहानीकारों का प्रमुख योगदान माना जाता है:

1. कमलेश्वर (1932–2007)

- **प्रमुख कहानी संग्रह** –
  - ✓ माँस का दरिया
  - ✓ बयान
  - ✓ समग्र कहानियाँ
  - ✓ देश–परदेश
  - ✓ कस्बे का राजा
  - ✓ हमपेशा
  - ✓ खोई हुई दिशाएँ
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ भटके हुए लोग (शरणार्थी समस्या पर आधारित)
  - ✓ राजा निरबंसिया
  - ✓ जॉर्ज पंचम की नाक
  - ✓ नीली झील
  - ✓ देवी की माँ
  - ✓ एक रुकी हुई ज़िंदगी
  - ✓ सोलह छतों वाला घर
  - ✓ तलाश
- इन्होंने अकेले अपने दम पर ही **समानान्तर कहानी आन्दोलन** को आगे बढ़ाया था।
- इनकी लगभग सभी कहानियाँ *सारिका* पत्रिका में प्रकाशित हुई थीं।
- इन्होंने **निर्मल वर्मा** द्वारा प्रतिपादित *अकहानी आन्दोलन* की आलोचना करते हुए
- "**अभ्यास प्रेतों का विद्रोह**" नामक एक लेख भी लिखा था।
- इनका यह लेख *धर्मयुग* पत्रिका में प्रकाशित हुआ था।

2. रमेश चन्द्रशाह :-

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ मुहल्ले का रावण
  - ✓ मानपत्र
  - ✓ थियेटर
  - ✓ जंगल में आग

3. रमेश उपाध्याय :-

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ पैदल अँधेरे में
  - ✓ बदलाव के पहले
  - ✓ राष्ट्रीय राजमार्ग
  - ✓ किसी देश के शहर में
  - ✓ कहाँ हो प्यारेलाल
  - ✓ आत्मसमर्पण
  - ✓ नदी के साथ एक रात
  - ✓ अर्थ तंत्र तथा अन्य कहानियाँ (कहानी संग्रह)
  - ✓ सचेतन कहानी आन्दोलन – प्रवर्तक: महीप सिंह
  - ✓ अमेरिका के **जेम्स बाल्डविन** के *एक्टिविज्म आन्दोलन* से प्रभावित।
  - ✓ अकहानी *आन्दोलन* – प्रवर्तक: **निर्मल वर्मा**
  - ✓ फ्रांसीसी साहित्य के *एण्टी स्टोरी आन्दोलन* से प्रभावित।

Toppersnotes Unleash the topper in you

III. अकहानी आन्दोलन

- ✓ इस कहानी आन्दोलन का प्रतिपादन **1960 ई.** के आसपास **निर्मल वर्मा** द्वारा किया गया था।
- ✓ प्रमुख सहयोगी – **जगदीश चतुर्वेदी**
- ✓ यह आन्दोलन **फ्रांसीसी साहित्य** के *Anti-Story Movement* से प्रभावित माना जाता है।
- ✓ इस आन्दोलन के विकास में निम्नलिखित कहानीकारों का मुख्य योगदान माना जाता है:

1. निर्मल वर्मा (1929–2005)

- ➢ **1999 में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त**
- ➢ **1985 में साहित्य अकादमी पुरस्कार**
- ➢ **कहानी संग्रह** –
  - ✓ परिन्दे
  - ✓ जलती झाड़ी
  - ✓ लंदन की रात / पिछली गर्मियों में
  - ✓ डेढ़ इंच ऊपर
  - ✓ बीच बहस में
  - ✓ मेरी प्रिय कहानियाँ
  - ✓ प्रतिनिधि कहानियाँ
  - ✓ कव्वे और काला पानी (1985 में साहित्य अकादमी पुरस्कार)
  - ✓ सूखा और अन्य कहानियाँ
  - ✓ धागे
- ➢ **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ कुत्ते की मौत
  - ✓ अँधेरे में
  - ✓ लवर्स
  - ✓ बुखार
  - ✓ सुबह की सैर
  - ✓ अब कुछ नहीं
- ➢ **डॉ. नामवर सिंह** के अनुसार इनकी *परिन्दे* कहानी **नयी कहानी युग की सर्वप्रथम कहानी** मानी गई है।
- ➢ *कव्वे और काला पानी* संग्रह के लिए इन्हें **1985 ई.** में *साहित्य अकादमी पुरस्कार* प्राप्त हुआ था।
- ➢ हिन्दी साहित्य में समग्र योगदान हेतु इन्हें **1999 ई.** में *भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार* भी प्राप्त हुआ।
- ➢ अपनी कहानियों के प्रकाशन हेतु इन्होंने **1955 ई.** में *कहानी* नामक पत्रिका का सम्पादन भी प्रारम्भ किया था।

2. यादवेन्द्र शर्मा 'चंद्र' :-

- ➢ **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ मेहन्दी के फूल
  - ✓ उमरता विद्रोह
  - ✓ सौन्दर्य एवं शैतान
  - ✓ आत्मबोध
  - ✓ डाबड़ी
  - ✓ फैसला
  - ✓ नया सूरज
  - ✓ खून के खतरे
  - ✓ मैं भगवान हूँ
  - ✓ साँप का साथ
  - ✓ स्वयं को निगलते हुए
  - ✓ महापुरुष

3. जगदीश चतुर्वेदी :-

- ➢ **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ अंधेरे का आदमी
  - ✓ विवर्त
  - ✓ आदिम गद्य
  - ✓ ऐलिया के फल हैं

Toppersnotes Unleash the topper in you

IV. समकालीन कहानी आन्दोलन

- इस आन्दोलन का प्रतिपादन **1967–68 ई.** के आस-पास **गंगा प्रसाद विमल** के द्वारा किया गया था।
- इस कहानी आन्दोलन के विकास में निम्नलिखित विद्वानों का मुख्य योगदान माना जाता है:

1. गंगा प्रसाद विमल :-

- **कहानी संग्रह** –
  - ✓ कोई शुरुआत (1972)
  - ✓ अतीत में कुछ (1973)
  - ✓ इधर-उधर (1980)
  - ✓ बाहर ना भीतर (1981)
  - ✓ चर्चित कहानियाँ (1983 / 1994)
  - ✓ खोई हुई थाती (1994)
  - ✓ समग्र कहानियाँ (2004)
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ एक और विदाई
  - ✓ प्रश्न चिह्न
  - ✓ विध्वंस
  - ✓ शहर में
  - ✓ बीच की दरार

2. ममता कालिया :-

- **कहानी संग्रह** –
  - ✓ छुटकारा
  - ✓ एक अदद औरत
  - ✓ सीट नम्बर–06
  - ✓ उसका यौवन
  - ✓ जाँच अभी जारी है
  - ✓ प्रतिदिन
  - ✓ मुखौटा
  - ✓ निर्मोही
  - ✓ थियेटर रोड के कौए
  - ✓ पच्चीस साल की लड़की
  - ✓ ममता कालिया की कहानियाँ (दो खण्ड)
  - ✓ दस प्रतिनिधि कहानियाँ
- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ तरकीब
  - ✓ बोलने वाली औरत

3. रवीन्द्र कालिया :-

- **कहानी संग्रह** –
  - ✓ नौ साल छोटी पत्नी
  - ✓ काला रजिस्टर
  - ✓ गरीबी हटाओ
  - ✓ बाकेंलाल
  - ✓ गली-कूंचे
  - ✓ चकैया-नीम
  - ✓ सत्ताईस साल की उमर तक
  - ✓ ज़रा सी रोशनी
  - ✓ रवीन्द्र कालिया की कहानियाँ
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ एक डरी हुई औरत
  - ✓ बड़े शहर का आदमी है

- रवीन्द्र कालिया एवं ममता कालिया की कहानियों में **अकहानी आन्दोलन** की **यौन-वासनात्मक प्रवृत्तियाँ** भी देखने को मिलती हैं।
- साथ ही, इन दोनों की कहानियों में **निर्मल वर्मा** की कहानियों की **विशेषताएँ** भी पाई जाती हैं।

Toppersnotes Unleash the topper in you

V. सक्रिय कहानी आंदोलन

- इस कहानी आंदोलन का प्रतिपादन 1979 ई. के आसपास राकेश वत्स के द्वारा किया गया था।
- इस कहानी आंदोलन के विकास में निम्नलिखित विद्वानों का मुख्य योगदान माना जाता है।

1. राकेश वत्स :

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ एक बुद्ध और
  - ✓ इस हालात में
  - ✓ महाकवि के वारिस
  - ✓ अंतिम प्रजापति
  - ✓ अभियुक्त
  - ✓ अतिरिक्त तथा अन्य कहानियाँ (संग्रह)

2. मिथिलेश्वर :

- **सिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ गाँव के लोग
  - ✓ विग्रह बाबू
  - ✓ तिरिया जन्म
  - ✓ एक में अनेक
  - ✓ माटी की महक: धरती गाँव की
  - ✓ भोर होने से पहले
  - ✓ चल खुसरो घर आपने
  - ✓ जमुनी
  - ✓ दूसरा महाभारत
  - ✓ एक थे प्रो० वी. लाल
  - ✓ हरिहर काका तथा अन्य कहानियाँ (संग्रह)

3. संजीव :

- **प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ तीस साल का सफरनामा
  - ✓ प्रेतमुक्ति
  - ✓ दुनिया की सबसे हसीन औरत
  - ✓ ब्लैक होल
  - ✓ खोज
  - ✓ भूमिका तथा अन्य कहानियाँ (संग्रह)
  - ✓ प्रेरणास्त्रोत तथा अन्य कहानियाँ (संग्रह)

Toppersnotes Unleash the topper in you

[iv] सहज कहानी आंदोलन

- इस कहानी आंदोलन का प्रतिपादन सर्वप्रथम 1964 ई. में अमृत राय के द्वारा किया गया था।
- पुनः 1975 ई. में डॉ. सुशील कुमार के द्वारा इसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया, परन्तु दोनों ही विद्वानों को कहानी लेखन में विशेष सफलता प्राप्त नहीं हो सकी।
- अतः इसके विकास में अमृत राय का ही योगदान माना जाता है।
- **अमृत राय :**
- **कहानी संग्रह** – तिरंगा कफ़न
- **अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ** –
  - ✓ नागफनी का देश
  - ✓ हाथी के दाँत
  - ✓ अग्निशिखा
  - ✓ फाँसी के तख्ते से
  - ✓ करबे का एक दिन
  - ✓ गीली मिट्टी
  - ✓ कठघरे हैं

हिन्दी नाटक

- **नट् + अक (ण्वुल)**
- **अर्थ** = अभिनय करना

नाटक शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ :

- **नाटक** शब्द **नट** (धातु) में **अक (ण्वुल)** प्रत्यय जुड़ने से बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है "अभिनय"। अर्थात्, **अभिनय की कला** को ही नाटक कहा जाता है।

नाटक की परिभाषा :

- सर्वप्रथम **आचार्य भरतमुनि** ने तथा तदुपरांत **आचार्य धनंजय** ने नाटक की परिभाषा देते हुए लिखा है — **"अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्"**

  अर्थात् — किसी अवस्था या दशा का अनुकरण करना ही **नाटक** कहलाता है।

नाटक की उत्पत्ति :

- **नाटक की उत्पत्ति** के संबंध में प्राप्त होने वाले मतों को प्रमुखतः **2 श्रेणियों** में विभाजित किया जाता है –
  1. भारतीय मत
  2. पाश्चात्य मत

1. भारतीय मत - प्रतिपादक – भरतमुनि

- भारतीय विद्वानों में **आचार्य भरतमुनि** ने स्वरचित नाट्यशास्त्र में नाटक की उत्पत्ति का उल्लेख करते हुए लिखा है कि — ऋषि-मुनियों के द्वारा निवेदन किए जाने पर **भगवान ब्रह्मा** ने चारों वेदों से एक-एक सारभूत तत्व लेकर **'नाट्यवेद'** की रचना की थी। यथा –

"जग्राह पाठ्यं ऋग्वेदात् साभ्यं गीतमेव च। यजुर्वेदादभिनयं रसान् अथर्वणादपि॥"

- जिसका विवरण इस **प्रकार** है –

1. **ऋग्वेद से** – पाठ्य संवाद / विषयवस्तु / कथानक
2. **सामवेद से** – गीत
3. **यजुर्वेद से** – अभिनय
4. **अथर्ववेद से** – रस
5. **पंचम वेद** – नाट्यवेद

- **नोट :**
  - ✓ **नाट्यवेद के रचयिता** – भगवान ब्रह्मा
  - ✓ भगवान ब्रह्मा ने इस नाट्यवेद का ज्ञान सर्वप्रथम **आचार्य भरतमुनि** को प्रदान किया था।
  - ✓ आचार्य भरतमुनि ने यह ज्ञान अपने **100 पुत्रों (शिष्यों)** को प्रदान किया।

प्राचीन नाटकों की प्रस्तुति :

1. सर्वप्रथम **देवताओं के समक्ष** अमृतमंथन नामक **समवकार** (3 अंक) का रूपक (नाटक) खेला गया था।
2. इसके बाद **भगवान शिव के समक्ष** त्रिपुरदाह नामक **डिम** (4 अंक) श्रेणी का रूपक (नाटक) प्रस्तुत किया गया था।

2. पाश्चात्य मत

1. **डॉ. पिशेल** के अनुसार – कठपुतलियों के नृत्य से
2. **प्रो० रिजवे** के अनुसार – मृत आत्माओं की शांति के लिए गाए जाने वाले गीतों से
3. **प्रो० हिलेब्रा** के अनुसार – स्वाँगवाद अर्थात् विविध प्रकार के स्वाँगों से
4. **मैक्समूलर एवं सिल्वाँ लेवी** के अनुसार – ऋग्वेद के संवाद सूक्तों से

Toppersnotes
Unleash the topper in you